भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS

निर्वहनीय विकास पर बीईएल की नीति

1. "निर्वहनीय विकास" को ऐसे विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें भावी पीढ़ियों को उनकी अपनी ज़रूरतें पूरी करने के लिए उनकी योग्यता से समझौता किए बिना वर्तमान की ज़रूरतें पूरी की जाती हैं । इस परिप्रेक्ष्य में, बीईएल ने निम्नलिखित नीति कथन अपनाया है जिसमें निर्वहनीय विकास पर बीईएल के सिद्धांतों को शामिल किया गया है ।
2. कंपनी अपने विविध कारोबारी प्रचालनों और कार्यकलापों के माध्यम से निर्वहनीय विकास के आर्थिक, पारिस्थितिकीय और सामाजिक उत्तरदायित्व को हासिल करने के लिए कटिबद्ध है ।
3. पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी कंपनी होने के नाते, बीईएल प्राकृतिक संसाधनों और साथ ही मानव निर्मित संसाधनों की उपयोगिता में इष्टतमीकरण और सतत् कटौती की ओर आवश्यक सभी पहल करने के लिए स्वयं को वचनबद्ध करती है ।
4. कंपनी निर्वहनीय विकास के लिए अपने समग्र प्रचालनों / प्रक्रियाओं में "घटाव, पुन: प्रयोग और पुन:चक्रण" का लक्ष्य हासिल करने के लिए अपना ध्यान-केन्द्रित करने के लिए दृढ़-संकल्पित है । कंपनी प्राकृतिक संसाधनों के क्षयण का निवारण करने के लिए नवीकरणीय संसाधनों की ओर सतत् प्रयास करने के लिए वचनबद्ध है ।
5. कंपनी पर्यावरण संरक्षण, प्रबंधन और निर्वहनीय विकास से संबंधित सभी विधिक / विनियामक आवश्यकताओं का पालन करेगी । कंपनी में पर्यावरण प्रबंधन और निर्वहनीय विकास के अपने कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए नियमित निगरानी कार्यक्रम होंगे ।
6. कंपनी हानिकारक प्रक्रियाओं की पहचान करेगी, इसके जोखिम का मूल्यांकन करेगी और पर्यावरण पर प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए यथोचित नियंत्रण उपाय निर्धारित करेगी । प्रभाव न्यूनतमीकरण प्रक्रियाओं में विलोपन, प्रतिस्थापन, इंजीनियरी नियंत्रण विधियों का अनुसरण किया जाएगा ।
7. किसी नई प्रक्रिया, प्रचालन या उत्पाद या सेवा का चयन करते समय या उन्हें प्रारंभ करते समय, पर्यावरणीय मैत्रीपूर्ण प्रक्रियाओं / प्रचालनों को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी । पर्यावरण पर प्रभाव को न्यूनतम करने के उद्देश्य से प्रभावी प्रक्रियाओं का विकल्प लिया जाता है ।
8. अपेक्षाकृत कम कार्बन उत्सर्जन पहल करने के लिए नई प्रणाली का चयन करने अथवा नई प्रणाली में परिवर्तन करने के लिए ऊर्जा कार्यशीलता को उच्च प्राथमिकता दी जाती है । कंपनी ने अपने कार्बन फुट प्रिन्टिंग को न्यूनतम करने के लिए हरित ऊर्जा में पहले ही कदम रख दिया है और हरित या नवीकरणीय ऊर्जा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करेगी ।
9. कंपनी पर्यावरण पर प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए पर्यावरण प्रबंधन कार्यक्रमों की पहल करेगी । यह एक निरंतर प्रक्रिया होगी । स्वच्छतर प्रौद्योगिकी का प्रारंभ, जोखिम हटाने, विधिक आवश्यकताओं का अनुपालन तथा संसाधन संरक्षण आदि कंपनी के पर्यावरण प्रबंधन कार्यक्रमों के बल दिए जाने वाले क्षेत्र होंगे ।
10. कंपनी के निर्वहनीय विकास कार्यकलापों और परियोजनाओं के लिए यथा आवश्यक बजटीय संसाधन आबंटित किए जाएँगे । परियोजना/कार्यकलाप-वार बजट आबंटन परियोजना के अभिकल्प पर आधारित होगा और इसमें विधिवत् मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा ।
11. कंपनी अपने उत्पादों के प्रयोग के दौरान पर्यावरण पर प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए, पर्यावरण प्रबंधन में ग्राहकों की जागरूकता को बढ़ाएगी । कंपनी अभिकल्प से लेकर निपटान तक पर्यावरण मैत्रीपूर्ण प्रक्रियाओं की ओर आगे बढ़ने के लिए अपने कारोबारी साझेदारों को समझाएगी और प्रोत्साहित करेगी ।